मध्यप्रदेश विधान सभा सचिवालय
Madhya Pradesh Legislative Assembly Secretariat
Indira Gandhi Vidhan Bhawan,
Arera Hills,Bhopal(M.P.)

स मा चा र

युवा शक्ति के उपयोग से राजनीति में हो सकते हैं सकारात्मक बदलाव - श्री गौतम

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम की अध्यक्षता 11 वीं भारतीय छात्र संसद का सत्र आहूत

राजनीति में युवा : भ्रम और यथार्थ विषय पर पर व्याख्यान

भोपाल, 28 सितम्बर 2021 । मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने मंगलवार को 11 वीं छात्र संसद के सत्र में ' राजनीति में युवा : भ्रम और यथार्थ ' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, छात्र संसद के आयोजक एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिविर्सटी एवं एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्मेंट, पुणे के संस्थापक डॉ. विश्वनाथ कराड़ एवं प्रबंध निदेशक श्री राहुल कराड़ विशेष रूप से उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम ने अपने उद्बोधन की शुरूआत में अमर शहीद भगत सिंह के पुण्य स्मरण के साथ करते हुए कहा कि युवा को उम्र से परिभाषित नहीं किया जा सकता है। युवा होने का अर्थ है जो कि व्यर्थ की बातों को सहन न करें और इसीलिए शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद युवाओं के रोल मॉडल हैं।

श्री गौतम ने कहा कि युवा को झरने की तरह सहज भाव से बहना चाहिए। झरना एवं नहर दोनों बहते हैं, किंतु झरना स्वत: बहता है और नहर कृत्रिम रूप से, 21 वीं सदी में जो भ्रम है, संघर्ष है वह झरने और नहर के बहने का है जो युवाओं में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा कि जो समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध नहीं करता है तो उसे युवा कैसे कहा जा सकता है। उम्र के आधार पर नहीं विचार और व्यक्तित्व के आधार पर युवा का निर्धारण किया जाना चाहिए।

श्री गौतम ने कहा कि पिछले दो दशको में युवा पीढ़ी में बदलाव को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। कुछ लोग इस पीढ़ी के युवाओं को पिछले से बेहतर समझते हैं, कुछ आज की युवा पीढ़ी को उच्श्रृंखल समझते हैं। मेरा मानना है कि आज का युवा ज्यादा साधन संपन्न और बेहतर है। उसके पास अवसर भी ज्यादा है।

श्री गौतम ने कहा कि आज युवा राजनीति से जुड़े यह समय की मांग और आवश्यकता है। युवाओं के जुड़ने से ही राजनीति में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। आज हर राजनीतिक दल यह चाहता है कि युवा उनसे जुड़े।

श्री गौतम ने कहा कि आज युवा को राजनीति में होना चाहिए और उसे भ्रमित नहीं होना चाहिए। भूतकाल का पश्चाताप, वर्तमान का तनाव और भविष्य का डर युवा को अपने मन से निकाल कर राजनीति में आना चाहिए।

वि.स./ज.स./21

(नरेन्द्र मिश्रा)

अवर सचिव

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in